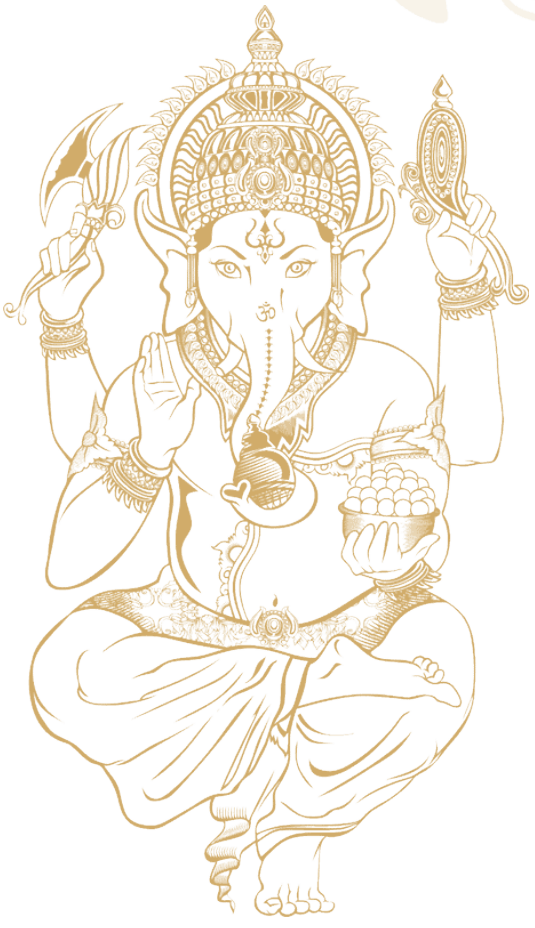

Sarthak sharma

Shakshi parashar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121080102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/09/1999	जन्म तिथि	18/10/2002
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:00:00	जन्म समय	14:23:00 घंटे
घटी 19:31:18	जन्म समय(घटी)	20:02:16 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Gurgaon
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:11:28	सूर्योदय	06:24:22
18:06:52	सूर्यास्त	17:49:40
23:50:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:29

विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 4मा 0दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 5वर्ष 2मा 12दि
राहु	25:25:59	धनु	लग्न	मक	21:31:16	शनि
30/01/2010	12:53:18	कन्या	सूर्य	तुला	00:54:55	31/12/2007
31/01/2028	18:53:10	वृष	चंद्र	कुंभ	28:59:57	30/12/2026
राहु 12/10/2012	24:20:15	वृश्चि	मंगल	कन्या	07:47:22	शनि 03/01/2011
गुरु 08/03/2015	28:51:19	कन्या	बुध	कन्या	14:11:33	बुध 12/09/2013
शनि 12/01/2018	09:02:33	मेष व	गुरु	कर्क	20:51:01	केतु 21/10/2014
बुध 31/07/2020	01:14:09	सिंह	शुक्र व	तुला	20:33:41	शुक्र 21/12/2017
केतु 19/08/2021	22:29:16	मेष व	शनि व	मिथु	05:09:02	सूर्य 03/12/2018
शुक्र 18/08/2024	17:29:45	कर्क व	राहु व	वृष	15:45:16	चन्द्र 03/07/2020
सूर्य 13/07/2025	17:29:45	मक व	केतु व	वृश्चि	15:45:16	मंगल 12/08/2021
चन्द्र 12/01/2027	19:13:40	मक व	हर्ष व	कुंभ	01:08:08	राहु 18/06/2024
मंगल 31/01/2028	07:47:24	मक व	नेप व	मक	14:18:18	गुरु 30/12/2026
	14:22:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:45:11	

लग्न-चलित

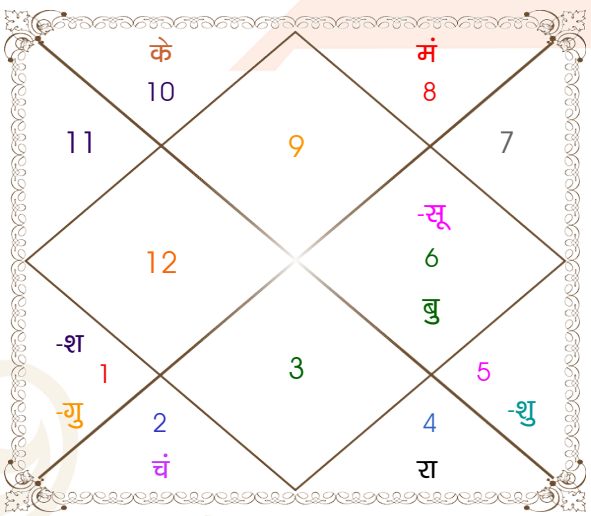

लग्न-चलित

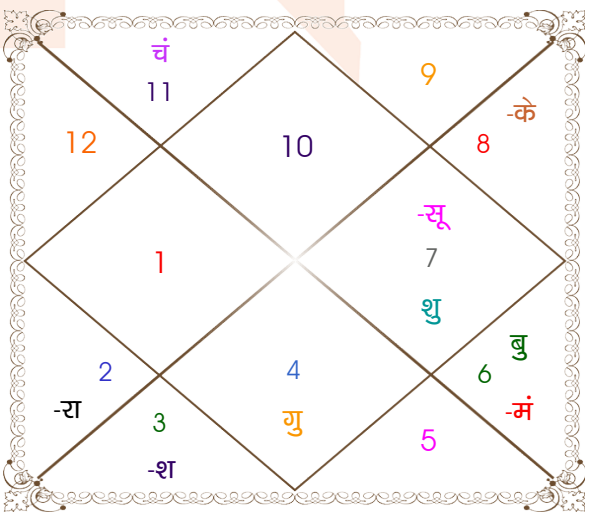

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

Sarthak sharma का वर्ग मृग है तथा Shakshi parashar का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sarthak sharma और Shakshi parashar का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sarthak sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sarthak sharma कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sarthak sharma कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shakshi parashar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Shakshi parashar कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sarthak sharma तथा Shakshi parashar में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।